चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 02 जुलाई 2026, अंक –300.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

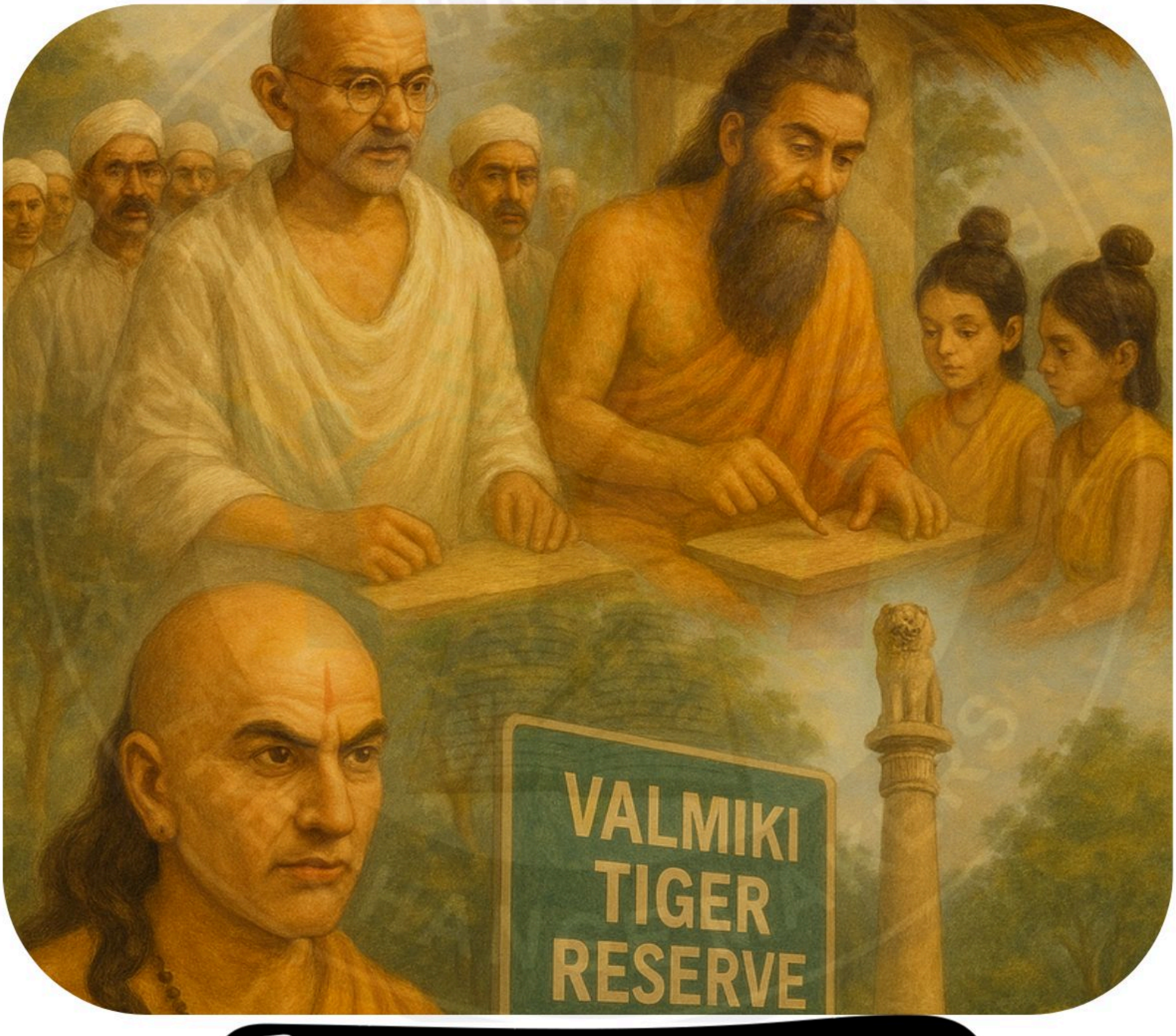

"अपने मिशन में सफल होने के लिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकनिष्ठ होना होगा।" — अब्दुल कलाम

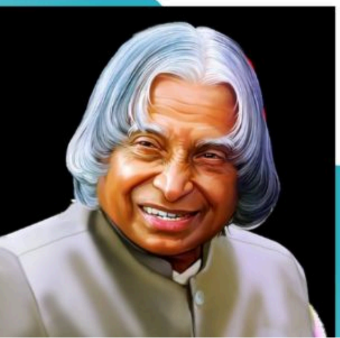

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. छत्तीसगढ़ की राजधानी क्या है?
उत्तर: रायपुर
प्रश्न 2. अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय कौन थे?
उत्तर: राकेश शर्मा
प्रश्न 3. 'पोंगल' किस राज्य का प्रमुख त्योहार है?
उत्तर: तमिलनाडु
प्रश्न 4. 49 का वर्गमूल क्या है?
उत्तर: 7
प्रश्न 5. बिहार की राजधानी कौन-सी है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. वाल्मीकि टाइगर रिजर्व किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: बिहार
प्रश्न 7. टेलीफोन का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: बेल
प्रश्न 8. भारत का सर्वोच्च कानून कौन-सा है?
उत्तर: संविधान
प्रश्न 9. 'जल' का पर्यायवाची शब्द क्या है?
उत्तर: नीर
प्रश्न 10. पौधों में भोजन बनाने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?
उत्तर: प्रकाश संश्लेषण

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Purse – (पर्स) – बटुआ / पर्स
Comb already used — (दोहराव से बचते हुए नया शब्द)
Razor – (रेज़र) – उस्तरा
Towelrack – (टॉवरैक) – तौलिया रखने की जगह
Bucketful – (बकेटफुल) – बाल्टी भर मात्रा
Basketball – (बास्केटबॉल) – बास्केटबॉल
Ball – (बॉल) – गेंद
Bat – (बैट) – बल्ला

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या मैं ... सकता/सकती हूँ?" (Can I ...?)

क्या मैं पढ़ सकता/सकती हूँ? – Can I read?
क्या मैं लिख सकता/सकती हूँ? – Can I write?
क्या मैं खेल सकता/सकती हूँ? – Can I play?
क्या मैं गा सकता/सकती हूँ? – Can I sing?
क्या मैं अंग्रेज़ी बोल सकता/सकती हूँ? – Can I speak English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

प्र.1. 2 जुलाई को "विश्व UFO दिवस" (World UFO Day) मनाया जाता है — यह किस प्रसिद्ध रहस्यमयी घटना की वर्षगाँठ को स्मरण करता है?
उत्तर: रोज़वेल घटना (1947)
व्याख्या: 2 जुलाई 1947 को अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य के रोज़वेल में एक रहस्यमयी वस्तु के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना हुई थी, जिसे विश्व UFO दिवस मनाने के लिए चुना गया। (National Day Calendar) विश्व UFO दिवस का आयोजन सर्वप्रथम 2001 में UFO शोधकर्ता हकतान अक्दोगान ने प्रारंभ किया था तथा World UFO Day Organisation (WUFODO) ने 2 जुलाई को आधिकारिक तिथि घोषित किया। (National Day Calendar) अमेरिकी सेना ने प्रारंभ में इसे "उड़न तश्तरी" बताया, किंतु बाद में स्पष्टीकरण दिया कि यह Project Mogul का एक गुप्त सैन्य गुब्बारा था जो सोवियत परमाणु परीक्षणों की निगरानी के लिए उपयोग किया जाता था। (PW Live) यह दिवस विज्ञान, अंतरिक्ष जिज्ञासा और सरकारी पारदर्शिता की माँग का प्रतीक बना।
संदर्भ: World UFO Day Organisation (WUFODO); pw.live World UFO Day 2025; Wikipedia — World UFO Day; Britannica — Roswell Incident.

प्र.2. 29 जून 2026 को भारत और सऊदी अरब ने जेद्दा में "सऊदी वाटर वीक" के अवसर पर किस महत्वपूर्ण क्षेत्र में सहयोग हेतु MoU पर हस्ताक्षर किए?
उत्तर: जल संसाधन प्रबंधन
व्याख्या: भारत और सऊदी अरब ने 29 जून 2026 को जेद्दा में जल संसाधन प्रबंधन सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक MoU पर हस्ताक्षर किए। (UNESCO) यह समझौता सऊदी अरब के राष्ट्रीय जल सम्मेलन "सऊदी वाटर वीक" के पहले संस्करण के अवसर पर भारतीय राजदूत सुहेल खान और सऊदी पर्यावरण, जल एवं कृषि मंत्री अब्दुलरहमान अल-फदले द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। (UNESCO) इस MoU का उद्देश्य जल संसाधन नियोजन, टिकाऊ जल प्रबंधन, सिंचाई प्रणाली और संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग, क्षमता निर्माण एवं सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना है। (SPM IAS Academy) यह भारत-सऊदी रणनीतिक साझेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
संदर्भ: siasat.com, 29 June 2026; business-standard.com, 29 June 2026; Indian Embassy Riyadh Official Statement.

प्र.3. "दुर्गेशनंदिनी" हिंदी/बंगाली साहित्य का पहला आधुनिक उपन्यास माना जाता है — इसके लेखक कौन हैं?
उत्तर: बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय
व्याख्या: "दुर्गेशनंदिनी" (1865) बंगाली लेखक बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित है और इसे बंगाली तथा आधुनिक भारतीय साहित्य का प्रथम उपन्यास माना जाता है। यह मुगल-राजपूत काल की पृष्ठभूमि पर आधारित एक ऐतिहासिक रोमांटिक उपन्यास है। बंकिमचंद्र को "बंगाली साहित्य के जनक" कहा जाता है। उनका "आनंदमठ" उपन्यास स्वतंत्रता आंदोलन का प्रेरणास्रोत बना जिसमें राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" पहली बार प्रकाशित हुआ था। अंक 297 में "आनंदमठ" और "वंदे मातरम्" से संबंधित प्रश्न पूछा गया था — इस अंक में उन्हीं के पहले उपन्यास पर प्रश्न है।
संदर्भ: बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय — "दुर्गेशनंदिनी", प्रकाशन वर्ष 1865; NCERT Hindi-Bengali Literary History Reference; UPSC GS-I Indian Literature.

प्र.4. "जैव विविधता हॉटस्पॉट" (Biodiversity Hotspot) की अवधारणा किसने प्रस्तुत की थी और विश्व में वर्तमान में कुल कितने हॉटस्पॉट मान्यता प्राप्त हैं?
उत्तर: नॉर्मन मायर्स; 36
व्याख्या: जैव विविधता हॉटस्पॉट की अवधारणा ब्रिटिश पर्यावरणविद् नॉर्मन मायर्स ने 1988 में प्रस्तुत की थी। हॉटस्पॉट वह क्षेत्र है जहाँ (1) कम-से-कम 1,500 संवहनी पादप प्रजातियाँ स्थानिक (endemic) हों और (2) मूल प्राकृतिक आवास का 70% से अधिक भाग नष्ट हो चुका हो। वर्तमान में Conservation International द्वारा विश्व में 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट मान्यता प्राप्त हैं। भारत में दो हॉटस्पॉट हैं — पश्चिमी घाट तथा पूर्वी हिमालय (Indo-Burma Hotspot का भाग)। इन क्षेत्रों में विश्व की 60% से अधिक स्थलीय जैव विविधता पाई जाती है जबकि ये पृथ्वी के केवल 2.5% भू-भाग को घेरते हैं।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 15 Biodiversity and Conservation, p. 254–256; Norman Myers 1988 — Environmentalist Journal; Conservation International — biodiversityhotspots.org.

प्र.5. सिंधु घाटी सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) का वह कौन सा प्रमुख नगर है जो वर्तमान पाकिस्तान में सिंधु नदी के तट पर स्थित है और जहाँ "महान स्नानागार" (Great Bath) की खोज हुई?
उत्तर: मोहनजोदड़ो
व्याख्या: मोहनजोदड़ो (सिंधी: "मृतकों का टीला") वर्तमान पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सिंधु नदी के तट पर स्थित है। इसकी खोज 1922 में R.D. बनर्जी ने की थी। यहाँ से प्राप्त "महान स्नानागार" (Great Bath) विश्व की प्राचीनतम ज्ञात सार्वजनिक जल-संरचना है जो 11.88 × 7.01 मीटर आकार की है। यह नगर उत्कृष्ट नगर नियोजन, जल निकासी व्यवस्था, अन्नागार और बहुमंजिली इमारतों के लिए प्रसिद्ध है। UNESCO ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है। 1920-21 में दयाराम साहनी ने हड़प्पा नगर की खोज की, जो पंजाब (पाकिस्तान) में रावी नदी के तट पर स्थित है।
संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 4 In the Earliest Cities, p. 36–42; NCERT Class 12, Theme 1 Bricks Beads and Bones, p. 5–8; UNESCO World Heritage List.

प्र.6. भारत में "थार मरुस्थल" (Thar Desert) मुख्यतः किस राज्य में स्थित है और यह विश्व का कौन से क्रमांक का सबसे बड़ा उष्ण मरुस्थल है?

उत्तर: राजस्थान; सातवाँ

व्याख्या: थार मरुस्थल (Great Indian Desert) मुख्यतः राजस्थान में फैला है तथा इसके कुछ भाग गुजरात, पंजाब और हरियाणा में भी विस्तृत हैं। यह पाकिस्तान के सिंध एवं पंजाब प्रांत तक भी फैला है। इसका क्षेत्रफल लगभग 2 लाख वर्ग किमी है। यह विश्व का सातवाँ सबसे बड़ा उष्ण मरुस्थल है। यहाँ बालू के टीले (Sand Dunes), कंटीली वनस्पति और विरल जनसंख्या पाई जाती है। थार मरुस्थल "अरावली पर्वत श्रृंखला" के पश्चिम में स्थित है। इंदिरा गाँधी नहर परियोजना ने इस क्षेत्र में सिंचाई और कृषि को संभव बनाया है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 2 Physical Features of India, p. 15; NCERT Class 11 India Physical Environment, Ch 6 Natural Vegetation; Rajasthan GK Reference.

प्र.7. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 — जो "प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार" देता है — किन दो दार्शनिक मूल्यों पर आधारित है, जिन्हें सर्वोच्च न्यायालय ने "मेनका गाँधी बनाम भारत सरकार (1978)" वाद में व्याख्यायित किया?

उत्तर: जीवन का अधिकार; स्वतंत्रता का अधिकार

व्याख्या: अनुच्छेद 21 भारतीय संविधान का सबसे महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार माना जाता है, जिसे भारतीय न्यायशास्त्र में "अधिकारों की माँ" कहा गया है। "मेनका गाँधी बनाम भारत सरकार (1978)" वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक निर्णय दिया कि अनुच्छेद 21 केवल "प्रक्रियागत" नहीं बल्कि "न्यायपूर्ण, उचित और तर्कसंगत प्रक्रिया" की माँग करता है। इसी आधार पर बाद के वादों में शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार, मुफ्त कानूनी सहायता, स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार, गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार आदि अनुच्छेद 21 के अंतर्गत ही व्याख्यायित किए गए।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 9, Ch 5 Democratic Rights, p. 92; Constitution of India, Article 21; Maneka Gandhi v. Union of India (1978) — Supreme Court.

प्र.8. मानव नेत्र में वह कौन सी कोशिकाएँ होती हैं जो रंग पहचानने में सहायक होती हैं और वे दृष्टि पटल (Retina) के किस भाग में सर्वाधिक केंद्रित होती हैं?

उत्तर: शंकु कोशिकाएँ (Cone Cells); पीत बिंदु (Yellow Spot/Fovea)

व्याख्या: मानव नेत्र की दृष्टि पटल (Retina) में दो प्रकार की प्रकाशग्राही कोशिकाएँ होती हैं — शलाका (Rod Cells) और शंकु (Cone Cells)। शंकु कोशिकाएँ रंग पहचानने और तीव्र प्रकाश में देखने का कार्य करती हैं। ये "पीत बिंदु" (Yellow Spot/Macula Lutea) में सर्वाधिक सघन होती हैं, जो स्पष्ट दृष्टि का केंद्र है। शलाका कोशिकाएँ मंद प्रकाश में देखने में सहायक होती हैं और रोडोप्सिन (Rhodopsin) वर्णक युक्त होती हैं। जहाँ दृष्टि तंत्रिका रेटिना से जुड़ती है वहाँ "अंधबिंदु" (Blind Spot) होता है जहाँ कोई भी कोशिका नहीं होती।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 11 Human Eye and Colourful World, p. 148–150; NCERT Biology Class 11, Ch 21 Neural Control and Coordination, p. 338–340.

प्र.9. भारत का वह कौन सा शास्त्रीय नृत्य है जो मणिपुर राज्य में उत्पन्न हुआ और जिसमें रासलीला की झाँकियाँ अत्यंत कोमल व वृत्तीय गतिविधियों से प्रस्तुत की जाती हैं?

उत्तर: मणिपुरी

व्याख्या: मणिपुरी नृत्य शैली भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की प्रमुख शास्त्रीय नृत्य परंपरा है। यह मुख्यतः वैष्णव भक्ति परंपरा पर आधारित है और भगवान कृष्ण की रासलीला के दृश्यों की कोमल, वृत्तीय और लयबद्ध प्रस्तुति के लिए विख्यात है। इसमें तांडव और लास्य का अद्भुत समन्वय होता है। 18वीं शताब्दी में राजा भाग्यचंद्र के काल में इस नृत्य का विकास हुआ। रवींद्रनाथ टैगोर ने मणिपुरी नृत्य को शांतिनिकेतन में प्रवेश दिलाया। इसे संगीत नाटक अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त भारत की आठ शास्त्रीय नृत्य शैलियों में स्थान प्राप्त है।

संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 6 Performing Arts; Sangeet Natak Akademi, New Delhi; UPSC GS-I Art & Culture Reference.

प्र.10. बिहार के किस जिले में "सोनपुर मेला" (हरिहर क्षेत्र मेला) प्रतिवर्ष आयोजित होता है, जो विश्व के सबसे बड़े पशु मेलों में से एक है?

उत्तर: सारण (छपरा)

व्याख्या: सोनपुर मेला बिहार के सारण जिले में गंगा और गंडक नदियों के संगम पर हरिहर क्षेत्र (सोनपुर) में प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होता है। यह एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला माना जाता है जो एक महीने तक चलता है। इसका इतिहास लगभग 2,500 वर्ष पुराना है। मुगल बादशाह अकबर और अंग्रेज़ गवर्नर-जनरल लॉर्ड कार्नवालिस ने भी यहाँ से हाथी और घोड़े खरीदे थे। यहाँ पशुओं के अलावा हस्तशिल्प, मनोरंजन और धार्मिक सामग्री का व्यापार भी होता है। हरिहर नाथ मंदिर (भगवान शिव और विष्णु के समन्वित रूप) का यहाँ अत्यधिक धार्मिक महत्व है।

संदर्भ: Bihar Tourism Official Portal — Sonepur Mela; Bihar GK BPSC Reference Compendium; NCERT Social Science Cultural Heritage Module, SCERT Bihar.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, बाढ़ आने पर विद्यालय के बच्चों को "सुरक्षित निकासी मार्ग" (Safe Evacuation Route) की पहचान कैसे करनी चाहिए?

उत्तर: पूर्व-निर्धारित मार्ग का अनुसरण करें

व्याख्या: BSDMA के मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के बाढ़ मॉड्यूल (जुलाई W1-W2) के अनुसार, विद्यालयों को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ में "सुरक्षित निकासी मार्ग" (Safe Evacuation Route) का नक्शा तैयार करना होता है और बच्चों को इसका अभ्यास कराना होता है। बाढ़ की स्थिति में कभी भी नई या अपरिचित दिशा में न जाएँ — केवल पूर्व-निर्धारित और शिक्षक द्वारा निर्देशित मार्ग का अनुसरण करें। ऊँचे स्थानों की ओर जाना, जलभराव वाले मार्गों से बचना, अकेले न जाना और समूह में रहना प्रमुख निर्देश हैं। उत्तर बिहार के बाढ़-प्रवण जिलों जैसे चंपारण, सीतामढ़ी, दरभंगा में यह प्रशिक्षण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

संदर्भ: BSDMA Flood Safety Module, Vidyalaya Suraksha Karyakram July W1–W2; bsdma.org; Bihar Water Resources Dept Flood Management Guidelines 2025

प्र.12. यदि किसी परीक्षा में सही उत्तर पर 3 अंक मिलते हैं और गलत उत्तर पर 1 अंक काटा जाता है, तो एक छात्र ने 20 प्रश्न हल किए और 48 अंक प्राप्त किए। उसने कितने प्रश्न सही किए?

उत्तर: 17 प्रश्न

व्याख्या: माना सही उत्तर = x, गलत उत्तर = (20 − x)। कुल अंक का समीकरण: 3x − 1(20 − x) = 48। हल: 3x − 20 + x = 48 → 4x = 68 → x = 17। अतः छात्र ने 17 प्रश्न सही और 3 प्रश्न गलत किए। सत्यापन: (17 × 3) − (3 × 1) = 51 − 3 = 48 ✓। यह प्रश्न "एक चर वाले रैखिक समीकरण" (Linear Equations in One Variable) पर आधारित है — जो BPSC, SSC और Railway परीक्षाओं के गणित खंड में अत्यंत प्रचलित प्रश्न प्रकार है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 2 Linear Equations in One Variable, p. 21–26; Quantitative Aptitude — R.S. Aggarwal; SCERT Bihar Mental Math Series.

GK संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।

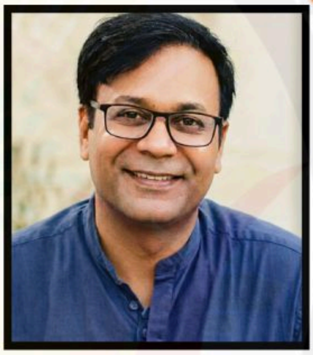

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Austere (ऑस्टियर) = Strict (स्ट्रिक्ट) = सादा / कठोर

Antonym – Luxurious (लक्ज़ीरियस) = विलासितापूर्ण

Brevity (ब्रेविटी) = Shortness (शॉर्टनेस) = संक्षिप्तता

Antonym – Lengthiness (लेंग्थीनेस) = लंबाई / विस्तार

Commend (कमेंड) = Praise (प्रेज़) = प्रशंसा करना

Antonym – Criticize (क्रिटिसाइज़) = आलोचना करना

Dread (ड्रेड) = Fear (फियर) = भय / डर

Antonym – Courage (करिज) = साहस

Exquisite (एक्सक्विज़िट) = Beautiful (ब्यूटीफुल) = उत्कृष्ट / मनमोहक

Antonym – Ordinary (ऑर्डिनरी) = साधारण

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. Digital India Completes 11 Years: PM Modi Says "When a Billion People Embrace Technology, the Impact is Transformative"

हिन्दी अनुवाद: डिजिटल इंडिया के 11 वर्ष पूर्ण; प्रधानमंत्री मोदी बोले — "एक अरब लोगों के तकनीक अपनाने से बदलाव क्रांतिकारी होता है।"

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने 1 जुलाई 2026 को 11 वर्ष पूर्ण किए, जो भारत की डिजिटल परिवर्तन यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर है। प्रधानमंत्री ने कहा — "डिजिटल इंडिया एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत की मज़बूत नींव है। पिछले 11 वर्षों में इसने गरीब और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।" UPI अब वैश्विक रियल-टाइम डिजिटल भुगतान का ~49% हिस्सा बन चुका है; DBT के माध्यम से ₹51 लाख करोड़ 176 करोड़ लाभार्थियों को हस्तांतरित हुए; DigiLocker के 70.69 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। अब कार्यक्रम AI, सेमीकंडक्टर और विकसित भारत@2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

2. Cabinet Approves Rs 30,000 Crore Additional Investment in NIIF; Total Commitment Reaches Rs 60,000 Crore

हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय कैबिनेट ने NIIF में ₹30,000 करोड़ की अतिरिक्त पूँजी को मंजूरी दी; सरकार की कुल प्रतिबद्धता ₹60,000 करोड़ हुई।

केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (NIIF) में ₹30,000 करोड़ की अतिरिक्त निवेश प्रतिबद्धता को स्वीकृति दी है, जिससे सरकार की NIIF में कुल प्रतिबद्धता ₹60,000 करोड़ हो गई है। यह नई पूँजी मुख्य रूप से NIIF इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड-II के शुभारंभ हेतु उपयोग होगी, जिसका लक्ष्य परिवहन, ऊर्जा, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, शहरी अवसंरचना और ई-मोबिलिटी क्षेत्रों में निवेश करना है। यह निर्णय PM गति शक्ति और Make in India के अनुरूप है।

3. Viksit Bharat G-RAM-G Act Rolls Out Nationally from July 1, 2026

हिन्दी अनुवाद: 'विकसित भारत — ग्राम से ग्राम एक्ट' 1 जुलाई 2026 से पूरे ग्रामीण भारत में ऐतिहासिक रूप से लागू।

'विकसित भारत – G RAM G Act' का ऐतिहासिक क्रियान्वयन 1 जुलाई 2026 से सम्पूर्ण ग्रामीण भारत में प्रारंभ हुआ। यह पहल ग्रामीण रोजगार, आवास, सड़क, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा को एकीकृत रूप से समाहित करती है और VB-GRAM-G योजना के साथ समन्वित होकर ग्रामीण भारत के बहुआयामी विकास को गति देगी।

INTERNATIONAL NEWS

1. US Supreme Court Upholds Birthright Citizenship, Defeats Trump's Immigration Bid

हिन्दी अनुवाद: अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने जन्मजात नागरिकता बरकरार रखी; ट्रम्प के आव्रजन एजेंडे को बड़ा झटका।

अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रपति ट्रम्प की जन्मजात नागरिकता समाप्त करने की अपील को खारिज कर दिया, जिससे अमेरिका में जन्म लेने वाले अधिकांश बच्चों को स्वतः नागरिकता देने की संवैधानिक गारंटी बनी रही — यह उनके आव्रजन एजेंडे के लिए बड़ा झटका है। यह निर्णय प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय कानून और संविधान के अंतर्गत उल्लेखनीय है।

2. Europe Heatwave Death Toll Crosses 1,300; WHO Sounds Alarm

हिन्दी अनुवाद: यूरोप में भीषण लू से मृतकों की संख्या 1,300 पार; विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी जारी की।

WHO महानिदेशक के अनुसार 21 जून से अब तक यूरोप में 1,300 से अधिक अतिरिक्त ताप-संबंधी मृत्युएँ दर्ज हुई हैं। फ्रांस में गर्मी की लहर से लगभग 1,000 मौतें — ज़्यादातर बुजुर्गों की — हुई हैं। यूरोपीय अधिकारी जलवायु परिवर्तन की बढ़ती गंभीरता के मद्देनज़र दीर्घकालिक उपायों पर विचार कर रहे हैं।

3. US-Iran Tensions Escalate: Iran Attacks Shipping in Strait of Hormuz

हिन्दी अनुवाद: अमेरिका-ईरान तनाव: ईरान ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य में व्यावसायिक जहाजों पर हमला किया; वैश्विक तेल आपूर्ति पर संकट।

ईरान ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य में अमेरिका और खाड़ी सहयोगियों द्वारा विकसित नए दक्षिणी शिपिंग कॉरिडोर को रोकने के लिए वाणिज्यिक जहाजरानी पर हमला किया। इस तनाव के बावजूद अमेरिका-ईरान शांति वार्ता कतर के दोहा में जारी है।

BIHAR NEWS

1. Patna Schools Reopen from July 1 as Heatwave Closure Ends; New Academic Session Begins
हिन्दी अनुवाद: पटना में 1 जुलाई से स्कूल खुले; 30 जून तक की गर्मी-बंदी समाप्त, नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ।
पटना जिला प्रशासन के आदेशानुसार कक्षा 8 तक के सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों की गर्मी के कारण बंदी 22 जून से 30 जून 2026 तक प्रभावी थी। 1 जुलाई से यह बंदी समाप्त होने के साथ ही नया शैक्षणिक सत्र 2026-27 पटना सहित पूरे बिहार में प्रारंभ हो गया। मानसून की आमद से अब गर्मी में राहत मिलने की उम्मीद है।

2. BPSC 72nd CCE: Vacancy Revised to 1,142 After Deletion of 44 Sugarcane Officer Posts
हिन्दी अनुवाद: BPSC 72वीं CCE: गन्ना अधिकारी के 44 पद हटाए जाने के बाद अब कुल रिक्तियाँ 1,142 हुईं; परीक्षा 26 जुलाई को।
BPSC ने 72वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा के कोरिजेंडम में गन्ना अधिकारी के 44 पद हटा दिए हैं, जिससे कुल रिक्तियाँ 1,186 से घटकर 1,142 हो गई हैं। परीक्षा 26 जुलाई 2026 (रविवार) को निर्धारित है। MCQ परीक्षा में नया 5वाँ विकल्प 'E' (Not Attempted) लागू रहेगा — अभ्यर्थी इस बदलाव को ध्यान में रखकर तैयारी करें।

SPORTS NEWS

1. Mbappe Scores Twice as France Thrash Sweden 3-0; Mexico Beat Ecuador 2-0 at Home
हिन्दी अनुवाद: एम्बापे की जोड़ी गोल से फ्रांस ने स्वीडन को 3-0 से रौंदा; मेक्सिको ने घरेलू मैदान पर इक्वाडोर को 2-0 से हराया।
30 जून को FIFA विश्व कप 2026 के Round of 32 में फ्रांस ने स्वीडन को 3-0 से हराया; किलियन एम्बापे ने दो गोल किए जिससे टूर्नामेंट में उनके कुल गोल 6 हो गए। मेक्सिको ने घरेलू मैदान Estadio Azteca में Ecuador को 2-0 से हराकर 40 वर्षों में पहली बार विश्व कप नॉकआउट मैच जीता। नॉर्वे ने Erling Haaland के विजयी गोल की बदौलत Ivory Coast को 2-1 से हराया।

2. FIFA World Cup Round of 32: England vs DR Congo, USA vs Bosnia, Belgium vs Senegal Today (July 1)
हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप Round of 32 जारी: 1 जुलाई को इंग्लैंड-कांगो, USA-बोस्निया और बेल्जियम-सेनेगल के रोमांचक मुकाबले।
1 जुलाई 2026 को तीन Round of 32 मुकाबले होंगे — अटलांटा में इंग्लैंड बनाम DR Congo (दोपहर 12 बजे), सिएटल में बेल्जियम बनाम सेनेगल (शाम 4 बजे) और सैंटा क्लारा में USA बनाम बोस्निया एवं हर्जेगोविना (रात 8 बजे)। भारतीय समय के अनुसार ये मैच गुरुवार तड़के तक खेले जाएंगे।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

💡 आज का ज्ञान, कल की सफलता की नींव है।

निरंतर अध्ययन करते रहें — सफलता अवश्य मिलेगी।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"आसमान में क्या है?"

(2 जुलाई – विश्व यूएफ़ओ दिवस विशेष)

गर्मी की एक शांत रात थी। गाँव की बिजली चली गई थी। अनिकेत अपने दादाजी के साथ आँगन में चारपाई पर लेटा आसमान के अनगिनत तारों को निहार रहा था। अचानक उसने एक तेज़ चमकती हुई वस्तु को आकाश में तेजी से गुजरते देखा।

वह उत्साहित होकर बोला, “दादाजी! देखिए… कहीं यह यूएफ़ओ तो नहीं?”

दादाजी मुस्कुराए। उन्होंने तुरंत उत्तर नहीं दिया। बोले, “हो सकता है, और यह भी हो सकता है कि वह कोई उपग्रह, विमान या कोई प्राकृतिक घटना हो। लेकिन सबसे पहले हमें अनुमान नहीं, सत्य की खोज करनी चाहिए।”

अगले दिन अनिकेत ने विद्यालय जाकर विज्ञान की शिक्षिका से वही प्रश्न पूछा। शिक्षिका ने उसे अंतरिक्ष, ग्रहों, उपग्रहों और यूएफ़ओ के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि यूएफ़ओ का अर्थ केवल 'अज्ञात उड़ने वाली वस्तु' होता है। जब तक उसकी सही पहचान न हो जाए, उसे यूएफ़ओ कहा जाता है। इसका यह अर्थ नहीं कि वह किसी दूसरे ग्रह का यान ही हो।

शिक्षिका ने मुस्कराते हुए कहा, “बेटा, दुनिया के बड़े वैज्ञानिक भी एक छोटे-से प्रश्न से अपनी यात्रा शुरू करते हैं। अंतर केवल इतना है कि वे हर प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए अध्ययन, प्रयोग और प्रमाण का सहारा लेते हैं।”

उस दिन अनिकेत ने पुस्तकालय से अंतरिक्ष विज्ञान की पुस्तकें लीं और विद्यालय के विज्ञान क्लब का सदस्य बन गया। अब वह हर नई बात पर चमत्कार नहीं, बल्कि जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सोचने लगा।
उस रात आकाश तो वही था, लेकिन अनिकेत की सोच बदल चुकी थी।

सीख:
हर खोज की शुरुआत एक प्रश्न से होती है। जिज्ञासा रखें, प्रश्न पूछें, प्रमाण खोजें और विज्ञान की रोशनी में दुनिया को समझें। शायद आपका एक छोटा-सा सवाल ही भविष्य की किसी महान खोज का आधार बन जाए।

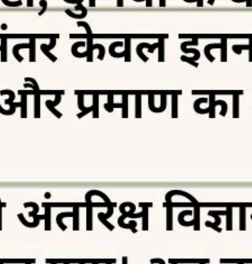

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"शिक्षक संवर्धन"

विषय: 5E मॉडल — रटाने के बजाय सोच को व्यवस्थित करने के पाँच चरण

शिक्षक साथियों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और NCF जिस 'रचनावाद' (Constructivism) पर जोर देते हैं, उसकी आत्मा इस 5E मॉडल में बसती है। यह मॉडल मानता है कि बच्चे को ज्ञान बाहर से नहीं दिया जाता, बल्कि वह अपने अनुभवों से ज्ञान का निर्माण स्वयं करता है। यह मॉडल शिक्षण की प्रक्रिया को पाँच क्रमिक चरणों में बांटता है, जो सभी अंग्रेजी के 'E' अक्षर से शुरू होते हैं:

1. Engage (संलग्न करना): पाठ की शुरुआत में बच्चों की उत्सुकता को जगाना और उनका ध्यान आकर्षित करना।
2. Explore (खोज करना): बच्चों को सीधे उत्तर न देकर उन्हें सामग्री या समस्या के साथ खुद प्रयोग और अवलोकन करने का मौका देना।
3. Explain (व्याख्या करना): छात्र जो खोजते हैं, उसे अपने शब्दों में व्यक्त करते हैं और शिक्षक वैज्ञानिक या तार्किक शब्दावली से उनका परिचय कराता है।
4. Elaborate (विस्तार करना): सीखे गए ज्ञान को किसी नई परिस्थिति या वास्तविक जीवन की समस्या से जोड़ना ताकि समझ गहरी हो सके।
5. Evaluate (मूल्यांकन): यह परखना कि छात्र ने अवधारणा को कितना समझा। यह केवल परीक्षा नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया के दौरान होने वाला निरंतर आकलन है।

उदाहरण:

आइए इसे विज्ञान या पर्यावरण अध्ययन के एक बहुत ही महत्वपूर्ण पाठ– "पौधों में अंकुरण (Seed Germination)" के माध्यम से इस 5E मॉडल को कक्षा में लागू करके समझते हैं।

- 1. Engage (संलग्न करना): शिक्षक कक्षा में आकर सीधे परिभाषा नहीं लिखता। वह अपनी जेब से एक सूखा हुआ चना और एक दो दिन पुराना अंकुरित चना निकालता है और बच्चों को दिखाता है। शिक्षक पूछता है– "बच्चों, इन दोनों चनों में क्या अंतर है? इस दूसरे चने में यह सफेद रंग की पूंछ जैसी चीज़ कहाँ से आ गई?" बच्चे सोचने लगते हैं, उनकी जिज्ञासा जाग जाती है।
- 2. Explore (खोज करना): शिक्षक प्रत्येक समूह को कुछ भीगे हुए चने देता है और कहता है– "इन्हें ध्यान से देखो, इनकी त्वचा को हटाकर अंदर देखो कि क्या छिपा है।" बच्चे चने को छीलते हैं, दो भागों में अलग करते हैं और उसके भीतर छुपे नन्हे भ्रूण (Embryo) को आश्चर्य से देखते हैं। वे खुद पानी, कपड़े और मिट्टी के साथ छोटे प्रयोग करते हैं।
- 3. Explain (व्याख्या करना): अब बच्चे बताते हैं कि उन्होंने क्या देखा– "सर, चने के अंदर एक छोटा सा पौधा छिपा है जो पानी मिलने पर बाहर आता है।" अब शिक्षक बोर्ड पर आता है और वैज्ञानिक शब्दों का परिचय कराता है कि इसे 'अंकुरण' कहते हैं और इसके लिए हवा, पानी और उचित तापमान की आवश्यकता होती है।
- 4. Elaborate (विस्तार करना): समझ को बढ़ाने के लिए शिक्षक बच्चों को एक चुनौती देता है– "यदि हम चने को बिना पानी के केवल सूखी मिट्टी में दबा दें, या पानी में पूरी तरह डुबोकर फ्रिज में रख दें, तो क्या वह अंकुरित होगा? घर जाकर करके देखना।" छात्र अब सीखे गए ज्ञान का उपयोग नई परिस्थितियों में करते हैं।
- 5. Evaluate (मूल्यांकन): शिक्षक बच्चों से कोई परिभाषा नहीं रटवाता, बल्कि उनसे कहता है कि वे एक बीज के अंकुरित होने की यात्रा का एक सुंदर चित्र बनाएं या अपनी भाषा में उसकी कहानी लिखें।

शिक्षक साथियों, इस पूरी प्रक्रिया में आपने देखा कि शिक्षक ने ज्ञान को 'परोसा' नहीं, बल्कि बच्चों को ज्ञान तक पहुँचने का एक वैज्ञानिक रास्ता दिया। जब हम अपनी दैनिक पाठ योजना (Lesson Plan) को इन 5 चरणों में ढाल लेते हैं, तो कक्षा का कोई भी बच्चा पीछे नहीं छूटता क्योंकि हर चरण उसे मानसिक रूप से सक्रिय रखता है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि शिक्षण कोई त्वरित भाषण नहीं है, बल्कि यह कदम-दर-कदम आगे बढ़ने वाली एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। 5E मॉडल हमें एक कुशल 'फैसिलिटेटर' बनाता है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी पाठ योजना में बच्चों को 'Explore' (खोजने) और 'Elaborate' (विस्तार करने) का पर्याप्त समय मिलता है?

..................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव | सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, धौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : वैशाली, अंक–3"

वैशाली: कोनहारा का शिवत्व, चिनीया केले की आर्थिकी और औद्योगिक गलियारे

'संपादकीय'✍️

वैशाली की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय यहाँ के ऐतिहासिक जल-संगमों और आध्यात्मिक केंद्रों में धड़कता है, जिसमें कोनहारा घाट का स्थान पौराणिक रूप से सर्वोपरि है। हाजीपुर शहर के समीप गंडक और गंगा के पावन पवित्र संगम पर स्थित इस घाट को 'गज-ग्राह' की पौराणिक युद्ध स्थली माना जाता है, जहाँ स्वयं भगवान विष्णु ने आकर अपने भक्त 'गज' (हाथी) की रक्षा 'ग्राह' (मगरमच्छ) से की थी। यह स्थल केवल एक धार्मिक केंद्र नहीं है, बल्कि यह उत्तर और दक्षिण बिहार को आपस में जोड़ने वाली 'सांझी संस्कृति' (गंगा-जमुनी तहजीब) का प्रतीक है। इसके निकट ही स्थित नेपाली मंदिर अपनी अनूठी काष्ठ-वास्तुकला (Wooden Architecture) और कामसूत्र की नक्काशी के लिए जाना जाता है, जो नेपाल के पैगोडा शैली और भारत के सांस्कृतिक संबंधों का एक दुर्लभ अंतरराष्ट्रीय साक्ष्य है। इसके साथ ही, महनार का पातशाह मज़ार और हाजीपुर की ऐतिहासिक जामा मस्जिद यहाँ के सामाजिक सद्भाव की जीवंत गवाही देते हैं।

आर्थिक मोर्चे पर वैशाली का सबसे बड़ा और लोक-प्रसिद्ध चेहरा यहाँ की विशिष्ट बागवानी आर्थिकी (Horticulture Economy) है। हाजीपुर और राजापाकर के बेल्ट में उगने वाला 'चिनीया केला' अपनी अनूठी मिठास, छोटे आकार और औषधीय गुणों के लिए पूरे देश में विख्यात है। गंडक नदी की चूना-युक्त गाद के कारण इस केले की जो गुणवत्ता यहाँ मिलती है, वह विश्व में दुर्लभ है। केले के अतिरिक्त, जंदाहा और महनार के क्षेत्रों में होने वाली 'जर्दालु' व 'मालदह' आम की व्यावसायिक खेती तथा बिदुपुर की हरी मिर्च व हल्दी की मंडियाँ इस जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत नकदी आधार प्रदान करती हैं। वैशाली की आर्थिक सीमाओं का एक सिरा विश्वप्रसिद्ध सोनपुर मेले (जो भौगोलिक रूप से सारण में है परंतु वैशाली की सीमाओं और हाजीपुर की मंडियों से अभिन्न रूप से जुड़ा है) से जुड़ता है, जो सदियों से एशिया का सबसे बड़ा मवेशी और सांस्कृतिक व्यापारिक केंद्र रहा है।

औद्योगिक धरातल पर वैशाली, उत्तर बिहार के गिने-चुने औद्योगिक केंद्रों (Industrial Hubs) में अग्रणी है। हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र (Industrial Area) में स्थापित दर्जनों बहुराष्ट्रीय कंपनियों की इकाइयाँ—जैसे खाद्य प्रसंस्करण (Food Processing), दवा निर्माण (Pharmaceuticals), और प्लास्टिक क्लस्टर्स—हज़ारों स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष रोज़गार प्रदान करती हैं। पूर्व-मध्य रेलवे (ECR) का मुख्यालय हाजीपुर में होने के कारण यहाँ लॉजिस्टिक्स, परिवहन और सेवा क्षेत्र (Service Sector) का एक विशाल नेटवर्क विकसित हुआ है। कुटीर उद्योगों की बात करें तो लालगंज और वैशाली प्रखंड में जीविका दीदियों द्वारा बनाई जा रही केले के थाम (Fibre) से हस्तशिल्प और कालीन निर्माण की कला आज 'वेस्ट टू वेल्थ' के सिद्धांत पर ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का एक बड़ा वैश्विक मॉडल बन चुकी है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो वैशाली में 'मेगा फूड पार्क' और 'हेरिटेज टूरिज्म' की असीमित संभावनाएं हैं। गंगा नदी पर बने ऐतिहासिक 'महात्मा गांधी सेतु' के समानांतर नए सिक्स-लेन पुलों और जेपी गंगा पथ के विस्तार ने पटना से इसकी दूरी को मिनटों में समेट दिया है, जिससे यह क्षेत्र एक बड़े 'सैटेलाइट इंडस्ट्रियल टाउन' के रूप में उभर रहा है। 'विश्व शांति स्तूप', 'अशोक स्तंभ (कोलहुआ)' और 'भगवान महावीर की जन्मस्थली' को अंतरराष्ट्रीय बुद्ध-जैन सर्किट से पूरी तरह जोड़कर यहाँ 'सांस्कृतिक-पारिस्थितिक पर्यटन' (Eco-Tourism) को नए पंख दिए जा रहे हैं। इससे न केवल विदेशी मुद्रा का आगमन बढ़ेगा, बल्कि होटल, गाइड और परिवहन उद्योग में एक क्रांतिकारी उछाल आएगा।

अंततः, वैशाली का यह अंतिम आर्थिक-सांस्कृतिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपने गौरवशाली लोकतांत्रिक अतीत की तरह ही आधुनिक आर्थिक मोर्चे पर भी बिहार की प्रगति का नेतृत्व कर रहा है। कोनहारा घाट की लहरों की गूँज से लेकर हाजीपुर के औद्योगिक क्षेत्रों की धड़कन तक, और केले के बागानों की हरियाली से लेकर वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर चमकते इसके ऐतिहासिक स्मारकों तक—वैशाली आत्मनिर्भर और प्रगतिशील बिहार का एक जीवंत ब्लूप्रिंट प्रस्तुत करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस सीमांत औद्योगिक ढांचे, कृषि-विविधता और कूटनीतिक-सांस्कृतिक पर्यटन के इस आर्थिक मॉडल का यह गहन अध्ययन बिहार की आर्थिक नियति को समझने की एक अत्यंत सटीक और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org